भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्याः 3765
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 16 मार्च, 2026
25 फाल्गुन, 1947 (शक)

महाराष्ट्र के धांदरफल में श्री रामेश्वर मंदिर का संरक्षण

3765. **श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरेः**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिला में संगमनेर तहसील के ग्राम धांदरफल में प्रभु श्री राम द्वारा स्थापित श्री रामेश्वर देवस्थान पर्यटकों को आकर्षित करने वाला एक प्राचीन और ऐतिहासिक तीर्थ स्थल है;
(ख) क्या सरकार द्वारा इन प्राचीन धार्मिक स्मारकों और अन्य ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण और रखरखाव के लिए कोई कार्य योजना प्रस्तावित की गई है/का विचार है;
(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) उक्त परियोजना के लिए कितनी निधि आवंटित की गई है/की जानी है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): महाराष्ट्र राज्य के अहिल्यानगर जिला में अवस्थित श्री रामेश्वर देवस्थान न तो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंतर्गत और न ही महाराष्ट्र सरकार के राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित स्मारक है।

(ख) से (घ): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित स्मारकों और संरक्षित क्षेत्रों (स्थलों) के संरक्षण और अनुरक्षण का कार्य राष्ट्रीय संरक्षण नीति, 2014 के अनुपालन में, संरक्षण की आवश्यकता, प्राथमिकता और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार किया जाता है, जो कि एक सतत् प्रक्रिया है।

देश भर में प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के प्रावधानों के तहत 3686 संरक्षित स्मारकों और संरक्षित क्षेत्रों (स्थलों) को केन्द्रीय संरक्षित स्मारकों/स्थलों के रूप में घोषित किया गया है।

विगत तीन वर्षों के दौरान, देश भर में संरक्षित स्मारकों और संरक्षित क्षेत्रों के संरक्षण और अनुरक्षण पर आवंटित निधियों और किए गए व्यय का विवरण निम्नानुसार हैः

(राशि करोड़ रुपये में)

वर्ष	**आवंटन**	**व्यय**
2022-23	392.71	391.93
2023-24	443.53	443.53
2024-25	313.43	313.04

*****